मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न प्रकार के घर

काव्य मंजरी

शैक्षिक कविताओं का संकलन

संकलन

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

01

विभिन्न प्रकार के घर

मिट्टी के घर

मिट्टी के घर का क्या कहना,
सोंधी सी खुशबू आती है।
माँ की लोरी सी सांसों में,
भीतर तक रच बस जाती है।।

माटी की चार दीवारें हैं,
माटी के फर्श भी लिपे पुते।
माटी के खपरैलों पर देखो,
चारों खम्भे हैं टिके हुए।।

घर चाहे अपने कच्चे हैं,
रिश्ते तो बिल्कुल पक्के हैं।
बारिश में जो भी कीचड़ हो,
उसके अपने ही किस्से हैं।।

उन छप्पर की दालानों में,
कितने अनगिनत फ़साने हैं।
गाँव के कच्चे मकानों के,
अपने ही ताने बाने हैं।

ऋतु श्रीवास्तव(स.अ.)
पू.मा.वि.- भौंरी-2
मानिकपुर- चित्रकूट

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

02

विभिन्न प्रकार के घर

लकड़ी या बांस के घर

बाँस का घर, होता है ऐसा घर,
नींव टिकी जिसकी खम्बों पर।
खड़ा रहता है जो मजबूती भर,
जमीन से ऊँचाई 10-12 फुट पर।।

लकड़ी या बाँस होता हर जगह पर,
क्या ऊपर-नीचे, क्या अंदर-बाहर।
होती सर्दी-गर्मी या होती छत तर,
हर मौसम की मार करता यह बेअसर।।

होती है भारी बरसात जहाँ पर,
बनाये जाते बाँस के घर वहाँ पर।
लगता समय कम और कम है कर,
टिकता सालों-साल होता है बेहतर।।

आस्था शर्मा (स.अ.)
प्राथमिक वि० इस्लामनगर
मुरादाबाद ग्रामीण (मुरादाबाद)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न प्रकार के घर

03

पत्थर के घर

ऐसे पहाड़ी स्थल जहाँ,
वर्षा होती है घनघोर।
बर्फबारी होती है वहाँ,
तन को देती झकझोर।।

ऐसे पहाड़ों पर ही ,
पत्थर के घर पाए जाते हैं।
ढलवा होती हैं इनकी छत,
ऐसे बनाए जाते हैं।।

कीड़ों से बचाने के लिए,
होती है चूने की पुताई।
एक से दो मंजिल तक ही,
होती है उनकी ऊंचाई।।

लद्दाख हिमाचल प्रदेश,
जम्मू और कश्मीर पर।
यही है वह जगह।
जहाँ होते हैं पत्थर के घर।।

हेमलता गुप्ता (स.अ.)
प्रा. वि. मुकंदपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न प्रकार के घर 4

टेंट या तम्बू

आओ बताएं तुम्हें घर के प्रकार,
सबसे अनोखा इसका आकार।
होता इसमें निवास अस्थाई,
बंजारों ने इसकी शुरुआत कराई।।

कपड़े और बांस से इसे बनाते हैं,
टेंट तंबू या रोबो कहे जाते है।
पर्वतारोही इसे अपने साथ ले जाते,
गड़बड़ मौसम देख झट इसे लगाते।।

पिकनिक में यह घर सबसे अच्छा है,
रुकने के लिए सफर में सबसे सस्ता है।
कुंभ के मेले में देखो कितने टेंट लगे,
संगम के किनारे देखो कितने सुंदर लगे।।

सुधांशु श्रीवास्तव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां,फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

05

विभिन्न प्रकार के घर

इग्लू

जब हम चढ़ते हैं पहाड़ पर,
मिलती बर्फ जहां।
वहीं पर बच्चों इग्लू मिलते,
बर्फ के हैं ये मकां।।

ठोस बर्फ के टुकड़ों को जब,
आपस में देते जोड़।
गुंबद के आकार के कारण,
तूफान न पाए तोड़।।

बाहर से बर्फीला घर ये,
अंदर से रहे गरम।
ऊपर इसमें छेद भी होता,
घुटे नहीं कहीं दम।।

बर्फ के इन घरों में बच्चों,
जो मानव रहते हैं।
उन इंसानों को ही हम,
एस्किमो कहते हैं।।

पूनम गुप्ता(स.अ.)
प्रा. वि. धनीपुर
धनीपुर-अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न प्रकार के घर

6

गुफा

धरती में भूमिगत स्थल को,
कहते गुफा ऐसे घर को।
बनते जमीन के नीचे जो,
गुफा वही जो भूमिगत हो ॥

आकार ज्यादा बड़ा नहीं होता,
आसानी से व्यक्ति का प्रवेश होता।
जो ज्यादा छोटे स्थल का होता,
गुफा नहीं उसे बिल कहा जाता ॥

मध्यप्रदेश के धार जिले में,
पायी जाती बाघ गुफाएं।
प्राचीन चित्रकारी का अद्भुत नमूना,
वह है गुफाएं अजन्ता और एलोरा ॥

प्रतिमा उमराव स०अ०
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

07

विभिन्न प्रकार के घर

महल या किले

घर का बड़ा सा रूप है,
महल शानदार स्वरूप है।
राजा जब भी घर बनवाता,
उसका घर महल कहलाता।।

सारी सुविधा से परिपूर्ण,
सैनिक पहरेदार होते जरूर।
शत्रु इसमें घुस न पाता,
द्वार पर ही पकड़ा जाता।।

शानदार नक्काशी जिसमें,
हाथी, घोड़े भी रहते इसमें।
हजारों लोग इसमें आ जायें,
राजाओं का महल कहलाए।।

रचना- शहनाज़ बानो(स.अ.)
पू.मा.वि. भौंरी- 1
मानिकपुर-चित्रकूट

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न प्रकार के घर 08

फ्लैट

बदला जीवन का स्तर,
बदल गया है घर।
ऊँचे-ऊँचे भवन बने है,
देखो इधर-उधर।।
जगमग जगमग चमक रहे हैं,
धूल का देखो नाम नही हैं।
सदा रहे दिन सा उजियारा,
होती यहाँ शाम नहीं है।।
सरपट-सरपट दौड़ रही है,
कब सोये कब जाग रही है।
पल भर को न थकती देखी,
अनवरत, ये भाग रही है।।
सीना ताने खड़े हुए हैं,
घर देखो बड़े हुए हैं।
फ्लैट में सारे मगन हुए हैं,
शहर इन्हीं से चमन हुए हैं।।

अतुल सिंह भदौरिया(स०अ०)
प्रा० वि० नगला बंजारान
सहावर, कासगंज

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न प्रकार के घर

09

हाउसबोट

तैरते घर पानी पर रहते,
हाउसबोट है उसको कहते।
लकड़ी से यह होता निर्मित,
हाउसबोट 80 फ़ीट तक लंबित।।

सुन्दर नक्काशी पाई जाती,
विचित्रता इसकी मन को भाती।
नक्काशी खतमबन्द कहलाती।
पर्यटकों को खूब लुभाती।।

घर के जैसी नाव सजाई,
इसीलिए हाउसबोट कहलाई।
केरल, कश्मीर में पाई जाती,
आकर्षण का केन्द्र कहाती।।

आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट वि०शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Ca

मिशन शिक्षण संवाद

विभिन्न प्रकार के घर

10

विगवाम

अर्धस्थायी आवास है,
गुंबददार है होता।
अमेरिकी जनजातियों,
द्वारा प्रयोग यह होता।

प्रथम राष्ट्रबैंड सरकारें,
भी करतीं प्रयोग इनका।
ओजिबवे भाषा का शब्द,
विगवाम है बड़ा अनोखा।

औपचारिक प्रयोजन हेतु,
उपयोग आज भी होते।
सुन्दर से घर विगवाम,
कितने हैं अद्भुत लगते।

अरविन्द कुमार सिंह स अ
प्रा वि धवकलगंज बड़ागाँव
वाराणसी।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

11

विभिन्न प्रकार के घर

टूरिस्ट हाउस

छुट्टियों का समय जो आया,
घूमने को तब मन ललचाया।
सब मित्रों को जो फ़ोन लगाया,
सबने सहमति से सिर हिलाया।।

चार दिन रुकने का मन बनाया,
टूरिस्ट घर का ख्याल तब आया।
टूरिस्ट घर का फिर पता लगाया,
बुकिंग करने को फ़ोन घुमाया।।

इसमें घर जैसा आराम मिले है,
सुविधा का सब सामान मिले है।
बजट के हिसाब से बुक कराओ,
जब कभी कहीं भी घूमने जाओ।।

फहरीन नजमी (स०अ०)
पू०मा०वि० हरगढ़
छानबे (मिर्जापुर)

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

12

विभिन्न प्रकार के घर

गगनचुम्बी इमारतें

वर्षा, धूप, जाड़े, गर्मी से,
घर ही हमको बचाते हैं।
घूम लो चाहे दुनिया सारी,
घर अपने आराम पाते हैं।।

विभिन्न प्रकार के घरों में,
गगनचुम्बी इमारत एक प्रकार।
कम जगह, अधिक आबादी,
होता है बेहद ऊँचा आकार।।

ऊँचाई की न न्यूनतम सीमा,
गगनचुम्बी होती है इमारतें।
इन इमारतों के निर्माण में,
विभिन्न देशों ने पाई महारतें।।

प्रतिभा चौहान (स०अ०)
प्रा०वि० गोपालपुर
डिलारी, मुरादाबाद

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

13

विभिन्न प्रकार के घर

अर्ध- पृथक घर

कई प्रकार के होते हैं घर,
जहाँ बसते हैं छोटे शहर।
कितना भी बड़ा हो
किसी का घर,
पर सुंदर होता है
अपना ही घर।।

पड़ोसी संग होती सांझा एक दीवार,
यही कहलाता आज अर्ध पृथक घर।
पृथक- पृथक हो चाहे कितने ही घर ,
पर रहे हम सभी एक एक होकर।।

प्रतिभा भारद्वाज (स.अ.)
पू.मा.वि.वीरपुर छबीलगड़ी
जवां, अलीगढ़

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

14

विभिन्न प्रकार के घर

सीढ़ीदार घर

समुद्र किनारे बसे हुए,
उनके घर सीढ़ी से बने हुए।
कंक्रीट,लोहा,लकड़ी शामिल,
संगमरमर,काँच और टाइल।।

घर की छत भी सीढ़ी जैसी,
जिनसे हवा धूप है मिलती।
बैठक भी लगती सीढ़ी सी,
जिससे अगली मंजिल मिलती।।

जापानी कला में ये मिलते,
सीढ़ीदार घर जिनको कहते।
ये ऐसे कोण बनाते हैं,
भूकम्प से इन्हे बचाते हैं।।

आराधना सिंह(प्र.अ.)
E.M.C.S.लोढ़वारा
चित्रकूट-चित्रकूट

Scanned with Can

मिशन शिक्षण संवाद

15

विभिन्न प्रकार के घर

बेसमेंट

बेसमेंट भी होता है,
घर का एक प्रकार।
इसके अन्य नामों पर,
पहले करें विचार।।

तहखाना, तलघर, भूगृह,
नामों से करें पहचान।
नाम के अनुरूप ही,
भूमिगत होते ये मकान।।

विविध उद्देश्यपूर्ति हेतु,
किये जाते हैं ये प्रयोग।
निवास, भण्डारण, पार्किंग,
व्यवसाय इनके उपयोग।।

दीप्ति खुराना (स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय पंडिया
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

Scanned with Cam

विभिन्न प्रकार के घर

मिशन शिक्षण संवाद

~ रचनाकार ~

ऋतु श्रीवास्तव, चित्रकूट
आस्था शर्मा, मुरादाबाद
हेमलता गुप्ता,अलीगढ
सुधांशु श्रीवास्तव ,फ़तेहपुर
पूनम गुप्ता, अलीगढ़
प्रतिमा उमराव, फ़तेहपुर
शहनाज़ बानो, चित्रकूट
अतुल सिंह भदौरिया , कासगंज
आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
अरविंद कुमार सिंह, वाराणसी
फहरीन जी, मिर्जापुर
प्रतिभा चौहान, मुरादाबाद
प्रतिभा भारद्वाज, अलीगढ़
आराधना सिंह, चित्रकूट
दीप्ति खुराना, मुरादाबाद

मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग

राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन

Mission Shikshan Samvad

Scanned with Cam